केवल सरकारी उपयोगार्थ

महिला डेरी योजना का मूल्यांकन अध्ययन

(डेरी विकास विभाग)

अध्ययन परिकल्प

उत्तराखण्ड शासन

वर्ष 2015–16

राज्य योजना आयोग

उत्तराखण्ड

महिला डेरी परियोजना

1. प्रस्तावनाः–

महिला डेरी परियोजना के गठन इस उद्धेश्य से किया गया कि राज्य में ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रही महिलाओं का उत्थान किया जा सके। महिला डेरी परियोजना का स्टाफ वर्तमान में मुख्य रूप से दुग्ध समितियों के सुपर विजन में लगा हुआ है दुग्ध उत्पादक विकास कार्यक्रमों से जुड़कर दुग्ध समिति ग्रामों में सार्थक रोजगार प्राप्त करने के साथ–साथ प्रदेश में दुग्ध सहकारिता में बहुमूल्य योगदान दे रही है। उत्तर प्रदेश के समय से उत्तराखण्ड में महिला डेरी विकास परियोजना वर्ष 1994–95 से प्रारम्भ की गयी है। महिला डेरी परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी वित्तीय विवरण के अनुसार केन्द्रांश के रूप में वर्ष 2010 तक धनराशि प्राप्त हुई(संलग्न परिशिष्ट–1 के अनुसार)। वर्ष 2009–10 के पश्चात महिला डेरी परियोजना में शत–प्रतिशत राज्यांश के रूप में संचालित की जा रही है।

2. योजना का उद्देश्यः–

1. ग्राम स्तर पर दुग्ध उत्पादकों सहकारी समितियों का गठन करना।
2. दुग्ध उत्पादकों दुग्ध का उचित मूल्य दिलाना।
3. ग्राम्य स्तर पर महिला समूहों को स्वरोजगार के साधन उपलब्ध कराना।
4. दुग्ध सहकारी समितियों के अवस्थापना विकास एवं तकनीकी निवेश की सुविधाएं उपलब्ध कराना।

3. योजना का कियान्वयनः–

भारत सरकार व राज्य सरकार द्वारा योजनान्तर्गत गठित महिला दुग्ध समितियों के सुपर विजन का कार्य महिला डेरी परियोजना के कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। वर्तमान में महिला डेरी परियोजना के कर्मचारियों द्वारा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन के कार्यक्रमों से जोड़कर ग्रामों में दुग्ध समितियों से रोजगार प्राप्त करने के साथ–साथ महिला समूह के कार्यो में बहुमूल्य योगदान दे रही है। महिला डेरी परियोजना के कर्मचारियों द्वारा ग्रामीण स्तर पर नई–नई दुग्ध समितियों का गठन किया जाता है जिसके माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से उनके दैनिक आय में वृद्धि की जा रही है।।

4.भौतिक प्रगतिः–

महिला डेरी परियोजना के अन्तर्गत महिला दुग्ध समितियों का गठन, समिति गठन/पुर्नगठन की सदस्यता, पोरल सदस्य, औसत दैनिक दुग्ध उत्पादन, एक्सटेंशन एवं दैनिक कार्यक्रम तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम किया जा रहा है। जिसका विवरण **तालिका संख्या–01** में दिया जा रहा है।

तालिका संख्या–01

परियोजना का जनपदवार भौतिक प्रगति का विवरण।

(वर्ष 2009–10 से वर्ष 2013–14 तक)

क0सं0	जनपद का नाम	दुग्ध समिति (सख्या)	दुग्ध समिति के सदस्य (सख्या)	दुग्ध उर्पाजन (सख्या)	प्रशिक्षण लाभार्थी (सख्या)
1	ऊधमसिंहनगर	10	306	1501	120
2	नैनीताल	13	427	1125	156
3	अल्मोड़ा	10	360	345	141
4	पिथौरागढ़	09	288	705	120
5	बागेश्वर	10	430	182	172
6	चम्पावत	09	300	1076	120
7	चमोली	08	354	193	146
8	टिहरी	10	427	591	167
9	उत्तरकाशी	09	398	185	153
10	रूद्प्रयाग	08	356	100	146
11	देहरादून	08	316	694	121
12	पौडी	10	304	285	134
13	हरिद्वार	09	303	460	114
	योग	113	4569	7442	1690

(विभागीय अभिलेख)

5. वित्तीय प्रगतिः–

विभाग द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना के अनुसार वर्ष 2009–10 तक महिला डेरी परियोजना का संचालन केन्द्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा किया जा था। वर्ष 2010–11 से राज्य सरकार द्वारा महिला डेरी परियोजना का संचालन किया जा रहा है। योजनान्तर्गत स्वीकृति एवं व्यय का वर्षवार विवरण **तालिका संख्या– 02** में दिया गया है।

तालिका संख्या–02

योजनान्तर्गत वित्तीय प्रगति का वर्षवार विवरण।

(धनराशि लाख रूपयें में)

क्र. सं.	विवरण	2009–10		2010–11		2011–12		2012–13		2013–14		योग	
		स्वी0	व्यय	स्वी0	व्यय	स्वी0	व्यय	स्वी0	व्यय	स्वी0	व्यय	स्वी0	व्यय
0	1	2		3		4		5		6		7	
1	केन्द्राश	158.10	158.10	-	-	-	-	-	-	-	-	158.10	158.10
2	राज्यांश व राज्य सहायता	175.66	170.79	169.30	169.30	204.99	204.99	181.50	181.50	243.06	243.06	974.51	969.64
	योग	333.76	328.89	169.30	169.30	204.99	204.99	181.50	181.50	243.06	243.06	1132.61	1127.74

स्रोत –विभागीय अभिलेख

6. अध्ययन की आवश्यकताः–

महिला डेरी परियोजना के सफल संचालन हेतु डेरी विकास विभाग के अनुरोध पर प्रमुख सचिव नियोजन के अध्यक्षता में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में महिला डेरी परियोजना का चयन किया गया।

7. अध्ययन के उद्देश्यः–

7.1 योजना का नियोजन एवं कियान्वयन–

- महिला डेरी का चयन/सृजन की आवश्यकता/औचित्य।
- कर्मचारी दुग्ध उत्पादकों व दुग्ध समिति के सचिवों को प्रदत्त प्रशिक्षण व्यवस्था।
- उपलब्ध संयंन्त्र/उपकरण/दवाओं की उपलब्धता एवं उपयोग।
- राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाऐं एवं उनका उपयोग।
- पशु चिकित्सों की पर्याप्तता।
- उत्पादित दूध की विपणन सुविधा।
- भूसा एवं चारा गोदाम की उपलब्धता एवं पर्याप्तता।
- दुग्ध समितियों में उपलब्ध दुधारू पशु स्थानीय/उन्नतशील की उपलब्धता।
- दुग्ध समितियों में गाय साड़ व भैसा साड की आवश्यकता/उपलब्धता।
- कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न संततियॉ।
- परियोजनान्तर्गत कर्मचारियों की पर्याप्तता/अधिकता।

7.2 योजना की उपयोगिता एवं प्रभाव

- दुग्ध उर्पाजन की स्थिति।
- दुग्ध समितियों के सदस्यों की सहभागिता।
- दुग्ध मार्गो की उपयोगिता।
- उद्धेश्यों के सापेक्ष योजना की उपयोगिता।
- निजी दुग्ध व्यवसायों का सकीय होना।
- योजना के अन्तर्गत दुग्ध उत्पादन के सापेक्ष वेतन आदि तथा योजना संचालन में व्यय की स्थिति।
- पशुपालकों तथा राज्य हित में दुग्ध उत्पादन हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं जिसमें महिला डेरी परियोजना भी सम्मिलित है के एकीकरण तथा एकिकृत स्वरूप से लाभ–हानि।

7.3 वित्तीय स्थिति

- वित्तीय व्यवस्था एवं प्रबन्धन का विश्लेषण।
- दुग्ध संघों में दुग्ध उपार्जन व दूध की कीमत
- दुग्ध समितियों को भुगतान की स्थिति।

7.4 भौतिक प्रगति

- दुग्ध सहकारी समितियों का प्रतिवर्ष सकीय/निष्क्रीय होना।
- दुग्ध संघों में प्रत्येक वर्ष दुग्ध का उपार्जन कम होना।

7.5 योजना के सफल संचालन में कठिनाई एवं सुझाव।

8. अध्ययन पद्धतिः–

महिला डेरी परियोजनान्तर्गत किये गये मुख्य कार्यकमों यथा– महिला दुग्ध समितियों का गठन, दुग्ध समिति के सदस्य, औसत दैनिक दुग्ध उर्पाजन में से महिला दुग्ध समितियों के सदस्यों की न्यूनतम संख्या एवं अधिकतम संख्या के अनुसार दो–दो जनपद तथा प्रत्येक मण्डल के मैदानी क्षेत्र के एक एक जनपद का चयन किया गया है।

कुमायूँ मण्डल से जनपद नैनीताल दुग्ध समिति के सदस्य संख्या 427, जनपद पिथौरागढ़ में दुग्ध समिति के सदस्य संख्या 288, मैदानी क्षेत्र से जनपद ऊधमसिंहनगर तथा गढ़वाल मण्डल से जनपद टिहरी दुग्ध समिति के सदस्य संख्या 427, जनपद पौड़ी के दुग्ध समिति के सदस्य संख्या 304 मैदानी क्षेत्र से जनपद हरिद्वार एवं प्रत्येक जनपद मुख्यालय से नजदीक के दो विकास खण्ड व दूरस्त क्षेत्र के दो विकास खण्डों का चयन कर, प्रत्येक विकास खण्ड के 10–10 दुग्ध मार्गों में से 20 प्रतिशत दुग्ध समितियों का चयन करने के पश्चात् प्रत्येक समिति के 10 सदस्यों से सम्पर्क कर साक्षात्कार किया जायेगा।

न्यादर्श का आकार

क्र. सं.	मण्डल/जनपद	दुग्ध समिति के सदस्यों की संख्या	जनपद मुख्यालय से		दुग्ध मार्ग प्रति विकास खण्ड	20 प्रतिशत दुग्ध समितियां प्रति दुग्ध मार्ग से	10 प्रतिशत सदस्य प्रति दुग्ध समिति से
			दूरस्थ विकास खण्ड	नजदीक विकास खण्ड			
	कुमायूँ मण्डल						
1	नैनीताल	427	02	02	10	20%	10%
2	पिथौरागढ	288	02	02	10	20%	10%
3	ऊधमसिंहनगर	306	02	02	10	20%	10%
	गढ़वाल मण्डल						
1	टिहरी	427	02	02	10	20%	10%
2	पौडी	304	02	02	10	20%	10%
3	हरिद्वार	303	02	02	10	20%	10%
	योग	2055	12	12	60	20%	10%

9. अध्ययन के संयंत्रः–

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित संयंत्रों का उपयोग कर सम्पन्न किया गया।

1. परियोजना स्तरीय रूप–पत्र।
2. जनपद स्तरीय रूप–पत्र।
3. दुग्ध समिति स्तरीय रूप–पत्र।
4. लाभार्थियों हेतु अनूसूची।
5. विचार–विमर्श हेतु निर्देशक प्रसंग।

10. समय सारणीः–

अध्ययन प्रारम्भ करने के दिनांक से निम्नलिखित विभिन्न कार्यों को सम्पन्न करने हेतु निर्धारित दिवसः–

अध्ययन के संयंत्र	20 दिन
क्षेत्र कार्य	60 दिन
सारणीयन एवं विश्लेषण	30 दिन
Power Point Presentation	20 दिन→Submit Draft report in two (2) copies each in Hindi and English to SPC, DDN
प्रतिवेदन प्रस्तुतिकरण	20 दिन
कुल दिवस	150 दिन

000

परिशिष्ट–एक

महिला डेरी परियोजना का वर्षवार वित्तीय प्रगति का विवरण ।

(धनराशि लाख रूपये में)

क्र0 स0	योजना के मदो के नाम	वर्ष 2009–10			वर्ष 2010–11			वर्ष 2011–12			वर्ष 2012–13			वर्ष 2013–14			कुल योग		
		बजट प्राविधान	जारी स्वीकृति	व्यय	बजट प्राविधान	जारी स्वीकृति	व्यय	बजट प्राविधान	जारी स्वीकृति	व्यय	बजट प्राविधान	जारी स्वीकृति	व्यय	बजट प्राविधान	जारी स्वीकृति	व्यय	बजट प्राविधान	जारी स्वीकृति	व्यय
1	सामान्य				143.90	143.90	143.90				154.00	154.00	154.00	266.10	180.00	180.00	564.00	477.90	477.90
2	एस0सी0एस0पी0				20.00	20.00	20.00				49.15	20.00	20.00	54.06	54.06	54.06	123.21	94.06	94.06
3	टी0एस0पी0				5.40	5.40	5.40				6.00	7.50	7.50	9.00	9.00	9.00	20.40	21.90	21.90
	कुलयोग	0.00	0.00	0.00	169.30	169.30	169.30	0.00	0.00	0.00	209.15	181.50	181.50	329.16	243.06	243.06	707.61	593.86	593.86

D:\sanjeetrawat\study IIP\mahiladairy\financialprograssyear2009-10to2013-14